(19)

स्वागत वन्दन अभिनंदन

(18)

कुमार गन्धर्व सांस्कृतिक क्लब

शा.प्रा.वि.कराड़िया कालोनी

विकास खण्ड - सोनकच्छ

जिला - देवास (म.प्र.)

त्रिवेदी प्लेक्स
सोनकच्छ 9893522001

69/Nil

अनुक्रमणिका

कुमार गंधर्व सांस्कृतिक क्लब

क्र.	विवरण	पेज नं.
01.	शास्त्रीय संगीतकार कुमार गन्धर्व	01
02.	आवेदन पत्र	02
03.	प्रस्तावना	03
04.	मध्यप्रदेश–गान	04
05.	संस्था परिचय	05
06.	क्लब का गठन	06
07.	क्लब प्रतिज्ञा एवं गीत	07
08.	उद्देश्य	08
09.	मेंहन्दी प्रतियोगिता	09
10.	रांगोली, माण्डने	10
11.	सांस्कृतिक झलकियाँ	11–16
12.	सांस्कृतिक भ्रमण	17–24
13.	संज्ञा	25
14.	संज्ञा गीत	26
15.	निरीक्षण दल	27
16.	आदिवासी नृत्य	28
17.	सांस्कृतिक उत्सवों के सम्मान	29

सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र
पत्र सं. 5380
31 MAR 2016
द्वारका, नई दिल्ली-110075

शास्त्रीय संगीतकार कुमार गन्धर्व

प्रति,

श्री मान निदेशक महोदय सांस्कृतिक स्त्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र
15 ए, सेक्टर–7 द्वारका नई दिल्ली भारत,

विषयः–कुमार गन्धर्व सांस्कृतिक क्लब की गतिविधियों का प्रतिवेदन प्रस्तुत करने विषयक।

सेवा में,

निवेदन हैं की क्लब की गतिविधियों में क्लब का गठन,प्रतियोगिताएं,कलाकृतियों से परिचित सांस्कृतिक भ्रमण सांस्कृतिक कार्यक्रम,प्रदर्शनी इत्यादि की रिपोर्ट और फोटोग्राप्स, साथ में उपयोगिता प्रमाण पत्र श्रीमान की सेवा में प्रस्तुत हैं।

शालामें प्रथम बार सांस्कृतिक गतिविधियाँ क्लब के माध्यम से करवाई गई हैं,कुछ कमी हो तो अगली बार त्रुटी सुधारने का प्रयास करेंगें।

यही विनय हैं।

दिनांक :– 22.03.2016

प्रार्थी

श्री शिवचरण अंगोरिया (सहायक अध्यापक)

CCRT द्वारा प्रशिक्षत शिक्षक

शा. प्रा.वि. कराड़िया कालोनी.विकासखण्ड़
सोनकच्छ,जिला देवास (म.प्र.)

पिन कोड – 455118
मो.नं.–9098992562,
8989704562

प्रस्तावना

शालेय शिक्षा में हस्त कैशल के विकास के लिए भारत सरकार के सांस्कृतिक स्त्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र के द्वारा भारतीय विरासत में कला संस्कृति की जानकारी और हमारी नई पिढ़ी को इनके ज्ञान एवं उनमें छिपि प्रतिभाओं की उभारने के लिए हमारा राज्य म.प्र. जिला देवास के तेहसील सोनकच्छ के ग्राम कराड़िया कालोनी में भी छात्र–छात्राओं और संस्था प्रधान के द्वारा क्लब का गठन किया और शासन के उद्देश्यानुसार विभिन्न गति विधियों के माध्यम से अनेक कार्यक्रम प्रारम्भ किए गए हैं।सांस्कृतिक कार्यक्रम करते समय पाया गया की छात्रों में जिज्ञासा और कुछ करने का भाव पैदा हुआ हैं। क्लब के नाम का विचार विमर्स कर कुमार गंधर्व नाम दिया गया।एक अल्प अवधि में छोटी सी जगह पर नन्हें–नन्हें छात्रों ने अपने गुरूजनो के मार्ग दर्शन में विभिन्न गतिविधियाँ की गई जिसें पालको, ग्रामीणजनों एवं अन्य छात्रों द्वारा पसंद किया जा रहा हैं।

उम्मीद हैं कि यह क्लब और इसके छात्र शिक्षण के साथ–साथ भारतीय संस्कृति कला साहित्य की पुरातन धरोहर को पहचानते हुए नये–नये आयाम अपने स्तर पर स्थापित कर सकेंगें।

CCRT द्वारा प्रशिक्षत शिक्षक श्री शिवचरण अंगोरिया

मध्यप्रदेश–गान

सुख का दाता सब का साथी,शुभ का यह संदेश है,

माँ की गोद, पिता का आश्रय,मेरा मध्यप्रदेश है।

कविता,न्याय,वीरता गायन सब कुछ यहाँ विशेष है,

हृदय देश।का यह,मैं इसका,मेरा मध्यप्रदेश हैं।

क्षिप्रा में अमृत घट छलका,मिला कृष्ण को ज्ञान यहाँ,

महाकाल को तिलक लगाने मिला हमें वरदान यहाँ,

उर्वर भूमि,सघन वन,रत्न,सम्पदा जहाँ अशेष हैं,

स्वर सौरभ सुषमा से मंडित मेरा मध्यप्रदेश हैं।

चंबल की कल–कल से गुंजित कथा वान,बलिदान की,

खजुराहो में कथा कला की चित्रकूट में राम की।

भीम बैठका आदिकला का पत्थर पर अभिषेक है,

अमृत कुण्ड अमरकंटक में,ऐसा मध्यप्रदेश है।

विंध्याचल सा भाल,नर्मदा का जल जिसके पास है,

यहाँ ज्ञान विज्ञान कला का,लिखा गया इतिहास है।

कविता,न्याय,वीरता,गायन,सब कुछ यहाँ विशेष है,

हृदय देश का यह, मैं इसका,मेरा मध्यप्रदेश है।

सुख का दाता सब का साथी,शुभ का यह संदेश है,

माँ की गोद, पिता का आश्रय,मेरा मध्यप्रदेश है।

कुमार गन्धर्व सांस्कृतिक क्लब

2015-16

श्री विजयसिंह सायल(प्रधानाध्यापक)

पिता श्री- करणसिंह सायल

माता- श्रीमति अयोध्या बाई सायल

योग्यता-बी.कॉम., डी.एड,

CCRT द्वारा प्रशिक्षत शिक्षक श्री शिवचरण अंगोरिया (सहायक अध्यापक)

पिता श्री- लालजीराम अंगोरिय

माता- श्रीमति गीता बाई

योग्यता- एम.ए.,डी.एड,स्काउट एडवान्स कब मास्टर

शा. प्रा.वि. कराड़िया कालोनी.विकासखण्ड़ सोनकच्छ,जिला देवास (म.प्र.)

शाला डाईस कोड - 23230303903

कुमार गन्धर्व सांस्कृतिक क्लब रिर्पोट

सास्कृतिक कार्यक्रम विवरण
माह मार्च 2016

कुमार गन्धर्व सांस्कृतिक क्लब का गठन

दिनांक 05.3.2016 दिन–गुरूवार स्थान–शा.प्रा.वि.कराड़िया कालोनि

समय– प्रातः 11.00

प्रधानाध्यापक श्री विजयसिंह सायल मुख्य संरक्षक अध्यक्ष और प्रभारी **CCRT** द्वारा प्रशिक्षत शिक्षक श्री शिवचरण अंगोरिया के मार्ग दर्शन से क्लब की मिटींग का आयोजन किया गया। जिसमें सर्व सहमती से सदस्यों मे से छात्र संघ का चुनाव किया गया जो इस प्रकार हैं–

- कु. निशा ऊदयसिंह – सभापति
- कु. संध्या धर्मेन्द्र – सचिव
- नितिन दिलिपसिंह – कोषाध्यक्ष
- तन्नू रायसिंह – समन्वयक

क्लब प्रतिज्ञा

हम प्रतिज्ञा करतें हैं कि -"हम यथा शक्ति ईश्वर एवं हमारी संस्कृति और देश के प्रति और अपने क्लब के प्रति अपने कर्त्तव्यों का पालन करेगें।"

क्लब गीत

रंग रंगीलों रे राज्य म्हारों मध्य–प्रदेश

म्हारों मध्य–प्रदेश प्यारों–प्यारों मध्य–प्रदेश।।

नदियों में माता की ममता–बिरछा–बिरछा मेवा,

गौतम नानक वाणी गुंजे–उज्जैनिय महादेवा।। म्हारों....

भारत भरका लोग यहाँ है सबकी अपनी बोली,

अनेकता में एकता है खेले प्रेम की होली।। म्हारों.....

क्लब के उद्देश्य

- छात्रों को भारतीय कला और संस्कृति के प्रति जाग्रत करना।
- भारतीय परम्पराओं के प्रति हमेशा आदरभाव एवं सम्मान की भावना जाग्रत करना।
- हमारे क्लब के माध्यम से छात्रों का संस्कृति की सुरक्षा एवं संरक्षण हेतु उन्हें हमारी धरोहर का संरक्षक बनाना।
- भारतीय कला और संस्कृति के बारे में ज्ञान अर्जित करने के लिये प्रेरित करना।

मेंहन्दी बनाते हुए क्लब की छात्राओं की झलकियाँ

रांगोली और माण्डनें

होली के त्यौहार पर गोबर के भारोलिया और मिट्टी के खिलौने और मुर्तियाँ बनाते हैं।

गोबर के भारोलिया लिए बालिकाएँ।

छात्रों द्वारा चित्रकारी और माण्डना की कलाकृतियाँ–

तेह सीलदार मेड़म के द्वारा निरिक्षण किया गया।

छात्रों द्वारा ड्राइंग सीट पर हाथी,मोर,फुलों आदि के चित्र बनाए।

दिवार पर तोता,पेड़–पौधे आदि के चित्र बनाए।

CCRT द्वारा प्रशिक्षत शिक्षक श्री शिवचरण अंगोरिया और संस्था के प्रधानाध्यापक के मार्ग दर्शन में मिट्टी के बर्तन,खिलौने और खजुर की पत्तीयों व लकडीयों से चटाई,झाडू व टौकरी आदि सामग्री बनाई गई।

सांस्कृतिक झलकियाँ

खजुर की पत्तीयों व लकडीयों से बनाई गई सामग्रीयाँ–

दो प्रकार की झाड़ू ,टौकरी,,टौकरी,हाथ में पहनने वाले गेहने,तीन प्रकार की चटाई, पंखे (बिजना) इत्यादी।

मिट्टी के बर्तन,खिलौने–

मटकी, गैस चुल्हा, तपेली, ढक्कन, कुर्सीयाँ,घट्टी (चक्की),लकडी जलाने वाला चुल्हा,तवा,चिमट्टा,चकोटा बेलन,चम्मच आदि रसोई घर(किचिन)की सामग्रियाँ।

बेकरम का पर्स,कागज के पर्स,थर्माकॉल के घर व माण्डना आदि

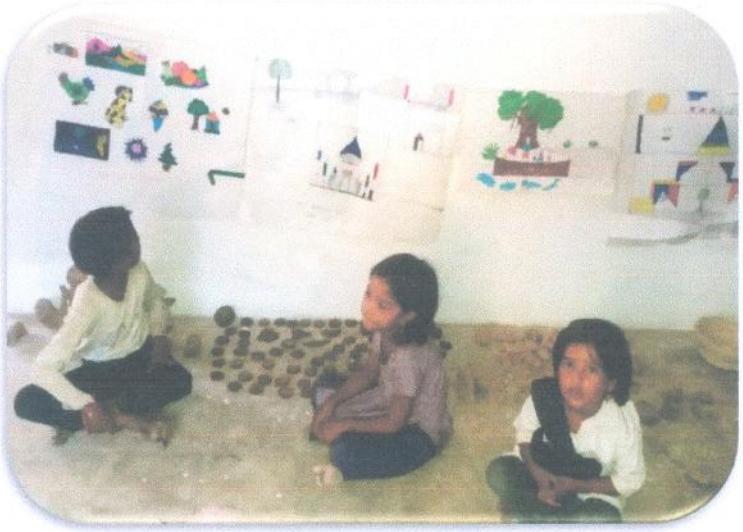

ड्राइंग सीट पर चित्रकारी

छात्रों द्वारा बनाई गई सामग्रियाँ–झाड़ू ,टौकरी,टिपारी,छोटी टौकरी,चटाई,मिट्टी की मुर्ति इत्यादी।

दौने व पत्तलो और रद्दी पुस्टो के द्वारा घर सजाने के झुमर बनाए गए।

CCRT द्वारा प्रशिक्षत शिक्षक श्री शिवचरण अंगोरिया के मार्ग दर्शन में

पेपर के फुल, पर्स व अन्य खिलौने बनाए गए।

CCRT द्वारा प्रशिक्षत शिक्षक श्री शिवचरण अंगोरिया और संस्था के प्रधानाध्यापक के मार्ग दर्शन में मिट्टी के बर्तन,खिलौने और खजुर की पत्तीयों व लकडीयों से चटाई,झाडू व टौकरी आदि सामग्री बनाई गई।

क्लब द्वारा छात्र-छात्राओं को भ्रमण करवाया

सांस्कृतिक भ्रमण की झलकियाँ

भ्रमण पर जाने की रूप रेखा बनाने के लिए एकत्र हुए क्लब के छात्र–छात्राएँ व सदस्य।

सर्वप्रथम हम मूर्तिकार के यहाँ गए जहाँ मूर्तियों को कैसे बनाई जाती है और मूर्ति बनाने में कौन–कौन सी सामग्रियों का उपयोग किया जाता हैं इन सबकी विस्तृत जनकारी हमें जितेन्द्र प्रजापत सोनकच्छ के द्वारा दी गई। और इनके द्वारा दी गई जनकारी से हमने मुर्ति बनाना सिखी मुर्ति प्लास्टर ऑफ पैरिस नामक पाउडर से बनाई जाती हैं,पाउडर या सिमेन्ट को पानी में घोल बनाकर मुर्ति वाले सांचे में घोल को डाला जाता है फिर 10 से 15 मीनिट के बाद सांचे में से मुर्ति को बाहर निकल लेते है इस प्रकार हमने मुर्ति बनाना सीखा।

शिल्प कला की विस्तृत जनकारी के लिए हमें श्री रमेश सिसोदिया जी द्वारा बताई गई कि पूरानी और बैकाम सड़ी गली हुई लकडीयों एवं पत्थरों द्वारा अनेक प्रकार की सुन्दर–सुन्दर आकृतियों की मुर्तियाँ उंकेरी गई,खिलोने आदि वस्तुएँ देखीं।

श्री लालजीराम अंगोरिया द्वारा लकड़ी के खिलोने,मुसली,चलन गाडी आदि वस्तुएँ बनाई।

मिट्टी के बर्तनो को कैसे बनाया जाते है यह हमने सीखा।

मिट्टी के बर्तनो को कैसे बनाया जाते है बर्तन बनाने वाले चॉक घुमाकर बताया गया।

CCRT द्वारा प्रशिक्षत शिक्षक श्री शिवचरण अंगोरिया ने चॉक चलाकर घड़ा बनाया।

क्लब की छात्रा द्वारा चॉक चलाना सीखा।

मिट्टी के तैयार बर्तनों में रंग किस प्रकार किया जाता हैं यह बताया।

कोटेश्वर धाम प्राचीन मंदिर में क्लब के बच्चें कोटेश्वर धाम प्राचीन मंदिर में क्लब के बच्चो व सदस्यों से चर्चा करते हुए बाबा श्री मुक्ता नन्द जी महाराज।

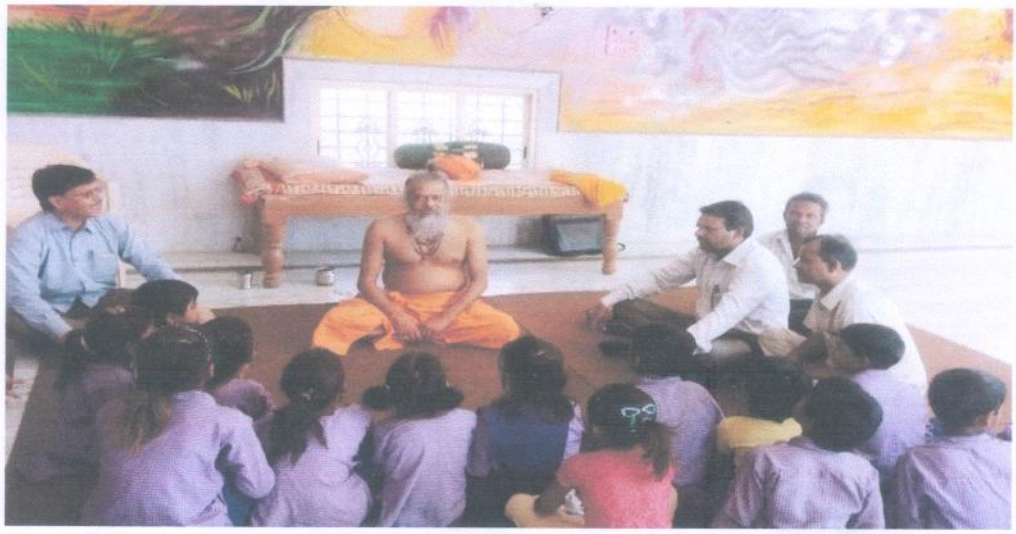

धुमा वती माता का मंदिर जो विश्व का चौथा मंदिर है।

पुरातत्व संग्राहलय गन्धर्वपूरी देवास का भ्रमण किया यहां लगभग 300 प्रतिमाए पत्थर पर उकरी हुई विभिन्न प्रकार की आकृतियाँ है जो लगभग 1200 शाल पूरानी बताई जाती है जिनहें परमार वंश के समय की एतिहासिक मुर्तियाँ बताई जाती है।

राजा गन्धर्व सेन के मन्दिर का प्रवेश द्वार,ये द्वार पत्थरों की पुरानी कलाकृतीयों से निर्मित हैं।

राजा गन्धर्व सेन का मन्दिर।

राजा गन्धर्व सेन के मन्दीर के पिछे का निचे वाल भाग पत्थरों की पुरानी कलाकृतीयों से निर्मित हैं।

गन्धर्वपुरी देवास में राजा गन्धर्व सेन का मन्दिर है आस्था और अंधविशवास की कडी में एक ऐसे मन्दिर में जाते है जिसका अपना एतिहासिक और धार्मिक महत्व भी हैं जिससे जुडे हुए कई चमत्कार सिंहासन बत्तीसी की कहानी का एक स्थान हैं। बताया जाता है की यहां पर एक इच्छाधरी नाग रहता हैं और उस नाग की दर्जनो चुहें परिक्रमा करते हैं, लेकिन यह अभी भी एक राज ही हैं इस रहस्य को कोई समझ नही पाया और नाग और चुहे आज तक किसी को नही दिखे,लेकिन परिक्रमा पथ पर चुहो की लेंडिया और नाग की लेंडी पाई जाती है। यहाँ के पुजारी ने बताया कि सफाई करने के बाद भी लेंडीयाँ पाई जाती हैं।

संज्जा बई

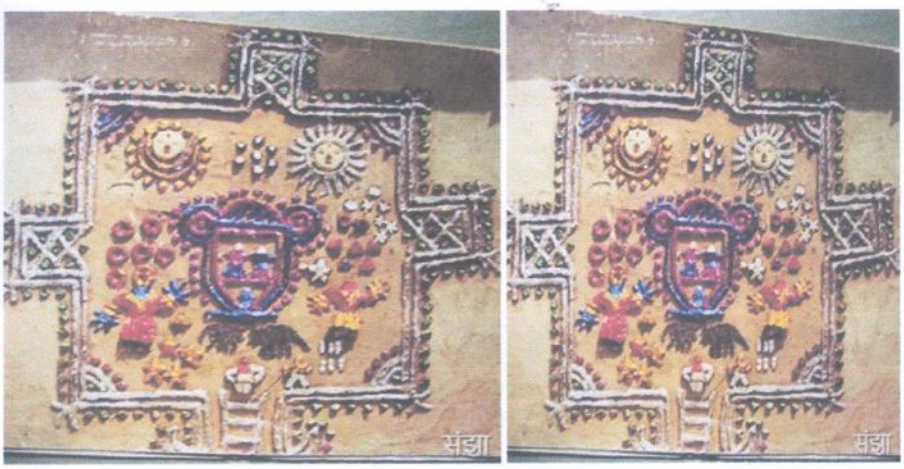

हमारे क्षैत्र में कुंवारी कन्याओं के द्वारा दिवार पर गाय के गोबर से चित्र बनाते हैं जिसे संझा के नाम से जानते हैं और मध्यप्रदेश की लोक भाषा में इसे संज्जा बई के नाम से जानते हैं।

संज्जा को शाम के समय में दिवार के ऊपर बनाई जाती हैं और इसे फुल,कुमकुम से सुसज्जित कर रात में संज्जा गीत के साथ संज्जा की आरती की जाती हैं और प्रशाद का वितरण भी नन्हीं कन्याओं द्वारा किया जाता हैं।

संज्जा को बनाने का समय माह सितम्बर ओर अक्टूबर अश्विन बिदी कृष्ण पक्ष श्राध पक्ष की प्रतिस्पर्धा में 16 दिन तक अलग–अलग प्रकार की संज्जा बनाई जाती हैं और अंत में पानी में विसरजित किया जाता हैं।

संज्जा गीत

नानिसी गाड़ रूडकती जाय..... रूडकती जाय.....

टोमे बैढ़ी संज्जा बई..... संज्जा बई.....

घाघरो घमकाती जाय.....चुडिलौ चमकाती जय.....

बिछीया बजाती जाय.....

बई जी की नथनि झोला खाय..... झोला खाय.....।

संज्जा बनाती हुई बालिकाएँ।

संज्जा बई का पिछवाडे मेन्दी को झाड..... मेन्दी को झाड.....

एक–एक पत्तो चुनतो जाए..... चुनतो जाए.....

उधर से आया मामा..... मामा..... मामा.....

चम्मक साडी ओडते नी आय....पैरते नी आय.....म्हारी संज्जा बई की ननद की ऊँच्ची नाक नीच्ची नाक पैर से भरतक माँग भरइदों.....।

छात्रो द्वारा बनाई गई सामग्रियों का निरीक्षण करने आऐ–

CCRT द्वारा प्रशिक्षत शिक्षक श्री रऊफ शेख और श्री नन्दलाल राठौर व वरिष्ठ स्काउटर श्री युसूफ शेख के द्वारा निरीक्षण किया गया।

दाई ओर **CCRT** द्वारा प्रशिक्षत शिक्षक श्री शिवचरण अंगोरिया ओर बाई ओर संस्था के प्रधानाध्यापक श्री विजयसिंह सायल और क्लब के छात्र बनाई गई सामग्रियों के साथ।

आदिवासी नृत्य करते क्लब के छात्र व सदस्य।

कुमार गंधर्व सांस्कृतिक क्लब

सांस्कृतिक स्त्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र सैक्टर –7 द्वारका नई दिल्ली से 11 दिवसिय प्रशिक्षण प्राप्त कर सोनकच्छ आने पर शिक्षक शिवचरण अंगोरिया का 23 अगस्त 2015 को रोटरी क्लब सोनकच्छ अध्यक्ष, अजाक्स संघ जिला अध्यक्ष और शिक्षक साथियों ने स्वागत किया।

और रविदास मंदिर सोनकच्छ में समाज अध्यक्ष और साथियो द्वारा स्वागत किया गया।